।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त विशारद परीक्षायाम्

वीर संवत् २५४७ **द्वितीय खण्डे प्रथम पत्रम्**

सन् २०२१ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

(खण्ड क - संस्कृत सुनिधि भाग २)

प्रश्न १. निम्नलिखित सूक्तियों के हिंदी में अर्थ लिखिए। **(५)**

१. परोपकाराय सतां विभूतय:। २. सकृत् जल्पन्ति पण्डिता:।

३. क्रोधो मूलमनर्थानाम्। ४. महीयांस: प्रकृत्या मितभषिण:।

५. क्षणश: कणशश्चैव विद्यामर्थं च साधयेत्।

प्रश्न २. निम्नलिखित किन्हीं ५ शब्दों के लिए संस्कृत शब्द लिखिए। **(५)**

१. सुवर्ण २. बहनोई ३. गुलाबी ४. तार ५. भूखा ६. नेवला

प्रश्न ३. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में जवाब लिखिए। (कोई ५) **(१०)**

१. विशेषण किसे कहते है और उसके मूल कितने भेद हैं, लिखिए।

२. 'विना' अव्यय के योग में कौन-कौनसी विभक्तियां आती हैं?

३. आगम सन्धि में कितने प्रकार बताए गए हैं, और कौनसे?

४. आत्मनेपद और परस्मैपद किसे कहते है?

५. संवाद के किन्हीं दो नियमों को लिखिए।

६. हिन्दी के ६ ऋतुओं के नाम लिखिए।

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।(कोई ३) **(१५)**

१. निम्नलिखित सन्धियों का विच्छेद कीजिए।

अ. मन्निवास: ब. अञ्जलि: क. चतुरश्छात्र: ड. अनुच्छेद: इ. सट्टिप्पणी

२. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।

अ. तुम सब पढकर जानते हो। ब. सांप और नेवले में वैर होता है।

क. घर के समीप उद्यान है। ड. किताबों में आगम श्रेष्ठ है।

इ. दो मित्र वहां मिले थे।

३. संवाद पूर्ण कीजिए।

(**मञ्जूषा-** अध्यापकः, विषये, गणिते, व्यवस्था, अहं, विद्यालये, स्थानान्तरणम्, अध्ययनं, समीचीनं, काठिन्यम्।)

पिता - रमेश ! तव .... कथं प्रचलति ?

रमेशः - हे पितः! अध्ययनं तु .... प्रचलति ।।

पिता - कोऽपि विषयः एतादृशः अस्ति यस्मिन् त्वं .... अनुभवसि ?

रमेशः - आम्! .... मम स्थितिः सम्यक् नास्ति । यतोहि अस्माकं .... इदानीं गणितस्य .... नास्ति।

पिता - त्वं पूर्वं तु माम् अस्मिन् .... न उक्तवान् !

रमेशः - पूर्वं तु अध्यापक-महोदयः आसीत् परं एकमासात् पूर्वमेव तस्य .... अन्यत्र अभवत् ।

पिता - अस्तु। .... तव कृते गृहे एव गणिताध्यापकस्य .... करिष्यामि।

रमेशः - धन्यवादाः।

४. 'सत्यस्य विजय:' इस कहानी को अपनी भाषा में लिखते हुए उससे मिलनेवाली शिक्षा को लिखिए।

५. पंचमी उपपद विभक्ति के नियमों को स्वनिर्मित वाक्यों से बताइए।

प्रश्न ५. निम्नलिखित किसी १ प्रश्न का जवाब लिखिए। **(१५)**

१. १० गण का परिचय अपनी भाषा में लिखिए।

२. 'चित् - चन् - अपि' प्रत्यय का प्रयोग किस अर्थ में होता है, यह बताते हुए 'अपि' प्रत्यय के साथ किम् शब्द के रुप तीनों लिंगों में लिखिए।

(खण्ड ख - सुबोध प्राकृत व्याकरण भाग १)

प्रश्न ६.एक शब्द में जवाब लिखिए। **(५)**

१. प्राकृत में चतुर्थी के स्थान पर कौनसी विभक्ति होती है?

२. अल्पप्राण में कौनसी ध्वनि का प्राण नहीं मिलता?

३. प्राकृत में तलवार के लिए कौनसा शब्द है?

४. प्राकृत में कौनसा कारक नहीं होता?

५. क्रियावाची शब्दों को क्या कहते हैं?

प्रश्न ७. प्राकृत में अनुवाद कीजिए। **(५)**

१. युवतियां प्रतिदिन पूजा करती हैं।
२. खेत में धान्य उगता है।
३. पाप का फल दु:ख है।
४. शिष्य वंदन करता है।
५. मैं सुख से रहता हूँ।

प्रश्न ८. निम्नलिखित किन्हीं ५ प्रश्नों के जवाब लिखिए। **(१०)**

१. प्राकृत वर्णमाला के मूल भेद कितने और कौनसे?

२. व्याकरण किसे कहते हैं?

३. 'सम्प्रदान कारक' की परिभाषा सोदाहरण लिखिए।

४. स्वर सन्धि के कितने भेद हैं? कौनसे?

५. 'सरल व्यंजन' की परिभाषा लिखिए।

६. 'पुरुष' किसे कहते हैं? वे कितने हैं?

प्रश्न ९.निम्नलिखित किन्हीं ३ प्रश्नों के जवाब लिखिए। **(१५)**

१. 'दयाणुकंपए कण्हे वासुदेव' की कहानी का सार अपनी भाषा में लिखिए।

२. निम्नलिखित शब्दों के लिए प्राकृत शब्द लिखिए।

१.हड्डी २.सफरचंद ३.चावी ४.संस्कार ५.वृद्धावस्था।

३. विशेषण के प्रकारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

४. 'इच्छ्' धातु के पांचों लकारों के रूप लिखिए।

५. 'गउ' तथा 'धूलि' शब्द के रूप लिखिए।

प्रश्न १०. निम्नलिखित किसी एक प्रश्न का जवाब लिखिए। **(१५)**

१. स्वर परिवर्तन किसे कहते हैं यह बताते हुए प्राकृत में किन-किन स्वरों के स्थानपर क्या-क्या परिवर्तन होते हैं सोदाहरण अपनी भाषा में लिखिए।

२. प्राकृत में धातुओं की विशेषता बताते हुए 'पठ्' धातु के सभी लकारों के रूप लिखिए।

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर - ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त विशारद परीक्षायाम्

वीर संवत् २५४७ **द्वितीय खण्डे द्वितीय पत्रम्**

सन् २०२१ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

(खण्ड क - उत्तराध्ययन सूत्र)

प्रश्न १. परिषह पहचानिए। **(५)**

१. मच्छरों के काटने को सहन करना।

२. गाली, तिरस्कार, आक्रोश करना।

३. बीमारी आनेपर व्याकुल न होना।

४. प्रसिद्धी की कामना

५. तीव्र प्यास

प्रश्न २. निम्नलिखित किन्हीं ३ सवालों के जवाब लिखिए। **(१५)**

१. तृतीय अध्ययन के नाम की सार्थकता अपनी भाषा में स्पष्ट कीजिए।

२. भारंड पक्षी की उपमा किसे दी गयी है? क्यों, सविस्तर बताइए।

३. बालमरण और पण्डितमरण को अपनी भाषा में समझाइए।

४. विनीत शिष्य को गुरु के पास से कैसे सीखना चाहिए।

प्रश्न ३. निम्नलिखित किन्हीं २ गाथाओं को ससंदर्भ स्पष्ट कीजिए। **(१०)**

१. तेणे जहां संधिमुहे गहीए, सकम्मुणा किच्चइ पावकारी।
एवं पया पेच्च इहं च लोए, कडाण कम्माण न मोक्ख अत्थि।।

२. एगया देवलोएसु, नरएसु वि एगया।
एगया आसुरं कायं,अहाकम्मेहिं गच्छई।।

३. एवं विणयजुत्तस्स सुत्तं अत्थं च तदुभयं।
पुच्छमाणस्स सीसस्स वागरेज्ज जहासुयं।।

४. संतिमे य दुवे ठाणा, अक्खाया मरणंतिया।
अकाममरणं चेव, सकाममरणं तहा।।

(खण्ड ख - जैन तत्त्व दीपिका)

प्रश्न ४. एक शब्द में जवाब दीजिए। **(५)**

१. जिनेश्वर प्रणीत वचन में संदेह करना कौनसा मिथ्यात्त्व है?

२. नवीन पर्याय की उत्पत्ति को क्या कहते हैं?

३. अन्यलिंग सिद्ध का एक उदाहरण लिखिए।

४. आत्मा के निज गुणों को क्या कहते हैं?

५. लब्धि और उपयोग को क्या कहते हैं?

P.T.O.

प्रश्न ५. निम्नलिखित किन्हीं ५ की परिभाषा लिखिए। (१०)

१. प्रत्येकबुद्ध सिद्धा २. औपशमिक सम्यक्त्व ३. आज्ञा रूचि

४. घातिकर्म ५. अनुकम्पा ६. निक्षेप

प्रश्न ६. निम्नलिखित किन्हीं दो सवालों के जवाब लिखिए। (१०)

१. साधु किसे कहते हैं और उनका आचार व्यवहार कैसा होता हैं?

२. प्रमाण किसे कहते हैं और उसके भेदों को स्पष्ट कीजिए।

३. वर्गणा के कितने भेद हैं, कौनसे? स्पष्ट कीजिए।

४. मोहनीय कर्म का स्वरूप समझाइए।

प्रश्न ७. निम्नलिखित किसी १ सवाल का जवाब लिखिए। (१५)

१. मनोरथ किसे कहते है? भेद बताकर सविस्तर समझाइए।

२. अजीव द्रव्यों का स्वरूप अपनी भाषा में लिखिए।

(खण्ड ग – इतिहास के उज्जवल पृष्ठ)

प्रश्न ८. जोड़ लगाइए। (५)

अ स्तंभ	ब स्तंभ
१. भ. चन्द्रप्रभुजी	अ. अयोध्या
२. भ. मल्लिनाथजी	ब. चम्पानगरी
३. भ. अनंतनाथजी	क. हस्तिनापुर
४. भ. कुन्थुनाथजी	ड. चन्द्रपुरी
५. भ. वासुपूज्यजी	इ. मिथिला

प्रश्न ९. निम्नलिखित किन्हीं दो सवालोंके जवाब लिखिए। (१०)

१. आचार्य श्री धर्मदासजी महाराज तथा लवजीऋषीजी म. के बीच हुई तर्कचर्चा को अपनी भाषा में लिखिए।

२. जीवराजजी महाराज का जीवन तथा उनकी रचना के बारे में विस्तृत लिखिए।

३. आचार्य वृध्दवादी ने सिद्धसेन दिवाकर को संयम में स्थिर कैसे किया?

४. आचार्य हरिभद्र का साहित्य क्षेत्र में रहा योगदान स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न १०. निम्नलिखित किसी एक सवाल का जवाब लिखिए। (१५)

१. आचार्य श्री आनंदऋषिजी म.सा. का परिचय देते हुए उनके किन्हीं ५ विशेषणों की सार्थकता अपनी भाषा में लिखिए।

२. निम्न आचार्यों के जीवनपर प्रकाश डालिए –

अ. आचार्य शीलांक ब. आचार्य हेमचन्द्र क. आचार्य आत्मारामजी म.

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त विशारद परीक्षायाम्

वीर संवत् २५४७ — **प्रथम खण्डे द्वितीय पत्रम्**

सन् २०२१ — **समय : सुबह ९ से १२** — **सम्पूर्णांक : १००**

(खण्ड क – संस्कृत सुनिधि भाग १)

प्रश्न १. उचित विभक्ति का प्रयोग करके वाक्य पूर्ण कीजिए। **(५)**

१. श्वः ------ (सप्तवादन) एकादशवादनपर्यंतम् अर्चिष्यामि।

२. मम हस्ते ------ (एतद्) लेखनी अस्ति।

३. सुरभिः ------- (कक्षा) प्रथमा अस्ति।

४. अहं ------ (बसयान) ग्रामं गच्छामि।

५. त्वं ------ (किम्) वृक्षे आरोहसि?

प्रश्न २. संस्कृत में अनुवाद कीजिए। **(५)**

१. उस कन्या को कल पुरस्कार मिला था।

२. लोगों को सच बोलना चाहिए।

३. आप अभी खाना खाओ।

४. तुम सब किताबें पढोगे।

५. किस गांव में आम है?

प्रश्न ३. सन्धि विच्छेद करके कौनसी सन्धि है, पहचानिए।(कोई ५) **(१०)**

१. वध्वायाभरणम् — २. कृष्णोऽतिथिः — ३. कवी इमौ

४. अर्धोरुकम् — ५. कार्यालयः — ६. अपृष्ट्वैव

प्रश्न ४. किन्हीं तीन सवालों के यथोचित जवाब लिखिए। **(१५)**

१. 'न काष्ठे विद्यते------' सुभाषित को शुद्ध लिखकर अपनी भाषा में भावार्थ लिखिए।

२. 'कुशलः वृद्धः' कथा को हिंदी में लिखकर उससे मिलनेवाली सीख भी लिखिए।

३. क्रमवाचक संख्याविशेषण किसे कहते हैं? उसके नियमों को सोदाहरण लिखिए।

४. 'नश्' धातु के 'लट्', 'लोट्' एवं 'लङ्' लकार में रूप लिखिए।

५. सन्धि किसे कहते हैं? उसके कितने भेद हैं, सोदाहरण लिखिए।

६. निम्नलिखित संख्या को संस्कृत में लिखिए।

अ. १४ — ब. ३५ — क. ७७ — ड. ५६ — इ. ९८

प्रश्न ५. किसी एक सवाल का विस्तृत जवाब लिखिए। **(१५)**

१. विभक्ति और कारक किसे कहते हैं? कारक कितने हैं? उनकी परिभाषा लिखकर किस कारक में कौनसी विभक्ति आती है सोदाहरण लिखिए।

२. अव्यय किसे कहते हैं? उसके भेद-प्रभेदों को सोदाहरण लिखिए।

(खण्ड ख – तत्त्वार्थ सूत्र)

प्रश्न ६. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. काय, वचन और मन की क्रिया को ------ कहते हैं।

२. ------- की प्रतीति को सम्यक् दर्शन कहते हैं।

३. नारक और सम्मूर्च्छिम जीव ------ ही होते हैं।

४. आश्रव के निरोध को ------- कहते है।

५. सम्पूर्ण कर्मों का क्षय होना ------ है।

प्रश्न ७. अंकों में जवाब लिखिए। **(५)**

१. कषायमोहनीय के भेद

२. स्वाध्याय के भेद

३. ज्योतिषी देव

४. परोक्ष ज्ञान

५. अव्रत

प्रश्न ८. परिभाषा लिखिए।(कोई ५) **(१०)**

१. सम्यक् चारित्र
२. पारिणामिक भाव
३. अनुभाव बन्ध
४. रौद्रध्यान
५. दान
६. द्रव्य

प्रश्न ९. निम्नलिखित किन्हीं ३ सूत्रों को ससंदर्भ स्पष्ट कीजिए। **(१५)**

१. उत्तमसंहननस्यैकाग्रचिन्तानिरोधो ध्यानम्।

२. प्रकृतिस्थित्यनुभावप्रदेशास्तद्विधय:।

३. मारणान्तिकी संलेखनां जोषिता।

४. पीतपद्मशुक्ललेश्या द्वित्रिशेषेषु।

५. संमूर्छनगर्भोपपाता जन्म।

प्रश्न १०. किसी एक सवाल का विस्तृत जवाब लिखिए। **(१५)**

१. पांच ज्ञान का स्वरूप बताते हुए अवधिज्ञान एवं मन:पर्याय ज्ञान में क्या अन्तर है, स्पष्ट कीजिए।

२. पांचवे अध्ययन का सार अपनी भाषा में लिखिए।

।। ॐ अर्हन् ।।

श्री तिलोकरत्न स्थानकवासी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड

आचार्य श्री आनंदऋषिजी महाराज मार्ग, अहमदनगर – ४१४००१ (महाराष्ट्र)

जैन सिद्धान्त विशारद परीक्षायाम्

वीर संवत् २५४७ **प्रथम खण्डे प्रथम पत्रम्**

सन् २०२१ **समय : सुबह ९ से १२** **सम्पूर्णांक : १००**

(खण्ड क – नवतत्त्व सार्थ)

प्रश्न १. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **(५)**

१. .... कर्म का स्वभाव चित्रकार के समान है।

२. .... का सबसे सूक्ष्म विभाग समय है।

३. .... से कर्मों की शुद्धि होती है।

४. कर्म का प्रवेश द्वार .... तत्त्व है।

५. जीव का प्रतिपक्षी .... तत्त्व है।

प्रश्न २. अंकों में जवाब लिखिए। **(५)**

१. एक मुहूर्त में कितनी आवलिका होती हैं?

२. आठ कर्म की उत्तरप्रकृतियां कितनी हैं?

३. पुण्योपार्जन के कारण कितने?

४. नपुंसक के कितने प्रकार हैं?

५. चरित्र कितने हैं?

प्रश्न ३. ये कौनसे तत्त्व हैं, पहचानिए। **(५)**

१. अनंत गुणों से युक्त शुद्ध आत्मा का स्थान

२. कर्मों का अंशत: आत्मा से अलग होना

३. उदयमान शुभ कर्मों का फल

४. चेतनामय असंख्यात प्रदेशी

५. पांच द्रव्य जिसमें आते हैं

प्रश्न ४. इनकी परिभाषा लिखिए।(कोई ५) **(१०)**

१. प्रज्ञा परिषह २. स्त्यानर्धि निद्रा ३. नैसृष्टीकी क्रिया

४. मिथ्यात्व ५. उपयोग ६. परमाणु

प्रश्न ५. निम्नलिखित किन्हीं ४ प्रश्नों का जवाब लिखिए। **(२०)**

१. जीव के जाति के आधार पर कितने भेद हैं, विस्तारपूर्वक लिखिए।

२. आठ कर्मों के स्वभाव को दृष्टान्तों के द्वारा स्पष्ट कीजिए।

३. २५ क्रियाओं में से किन्हीं ५ क्रियाओं को स्पष्ट कीजिए।

४. निम्नलिखित गाथा को ससंदर्भ स्पष्ट कीजिए।

पायच्छित्तं विणओ वेयावच्चं तहेव सज्झाओ।
झाणं उवसग्गो वि अ अब्भिंतरओ तवो होई।।

P.T.O.

५. स्थावरदशक को विस्तारपूर्वक समझाइए।

६. शरीर के भेद-प्रभेदों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न ६. किसी १ सवाल का जवाब दीजिए। **(१५)**

१. किन-किन मार्गणाओं से मोक्ष प्राप्त होता है, विस्तारपूर्वक लिखिए।

२. समिति तथा यति धर्म का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड ख - जैनत्व की झांकी)

प्रश्न ७. जोड लगाइए। **(५)**

अ स्तंभ	**ब स्तंभ**
१. नंदीषेण	अ. कुम्हार
२. सद्दालपुत्र	ब. दानमहिमा
३. महर्षि पाणिनि	क. आदिऋषि
४. ऋषभदेव भगवान	ड. अष्टाध्यायी
५. शालिभद्र	इ. सेवाक्षेत्र

प्रश्न ८. टिप्पणी लिखिए।(कोई २) **(१०)**

१. भोजन का विवेक २. भगवान पार्श्वनाथ

३. वनस्पति में जीव ४. तीर्थंकर

प्रश्न ९. किन्हीं ५ सवालों के जवाब लिखिए। **(१०)**

१. शाकाहारी और मांसाहारी प्राणियों की बनावट में क्या अन्तर होता है?

२. ईश्वर जगत्कर्ता नहीं है, ये सिद्ध करनेवाली कोई २ बातें लिखिए।

३. नीचे दिये तीर्थंकरों के माता-पिता के नाम लिखिए।

(१) भगवान ऋषभदेवजी (२) भगवान शांतिनाथजी

(३) भगवान पार्श्वनाथजी (४) भगवान महावीरस्वामीजी

४. आश्रव के कितने भेद हैं, कौनसे?

५. दान के कितने प्रकार हैं, कौनसे?

६. आत्मा के कितने प्रकार हैं, कौनसे?

प्रश्न १०. किसी १ सवाल का जवाब लिखिए। **(१५)**

१. भगवान ऋषभदेवजी के परिवार का परिचय देते हुए उन्हें प्रथम धर्म प्रवर्तक क्यों कहा जाता है यह स्पष्ट कीजिए।

२. देव, गुरु और धर्म को विस्तारपूर्वक समझाइए।